मेडिकल ऑक्सीजन के उत्पादन में मध्यप्रदेश आत्म-निर्भर

- मध्यप्रदेश सरकार ने मेडिकल ऑक्सीजन के उत्पादन में मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने हेतु प्रयास जारी किये है |
- 2 जुलाई 2021 को मेडिकल ऑक्सीजन उत्पादन में आत्म-निर्भरता संबंधी तथ्यों पर मंत्री समूह द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया है, जिसके अंतर्गत मध्यप्रदेश में ऑक्सीजन निमार्ण इकाइयों एवं स्टोरेज टैंक की व्यवस्था की जा रही है |
- भोपाल के गोविन्दपुरा, इंदौर के पोलो ग्राउंड और सागर के सिद्धगाँव में ऑक्सीजन भण्डारण हेतु टैंक का निर्माण किया जायेगा |
- ऑक्सीजन संयंत्रो के संचालन और देखरेख हेतु मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा |

दिव्यांगों को पहचान पत्र देने में मध्यप्रदेश प्रथम राज्य

- भारत सरकार की ओर से सीहोर में नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एण्ड रिसर्च और ग्वालियर में दिव्यांगजनों के लिए खेल परिसर का निर्माण किया जा रहा है |
- प्रदेश में लगभग 6 लाख दिव्यांगजन को पहचान पत्र उपलब्ध कराये गये हैं, दिव्यांगजन को पहचानपत्र प्रदान करने में मध्यप्रदेश प्रथम स्थान में है |
- भारत सरकार द्वारा 5 लाख 97 हजार 170 दिव्यांगजन को पहचान पत्र जारी किये गये हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर "सहकारिता से बेहतर पुनर्निर्माण" कार्यक्रम का आयोजन

3 जुलाई 2021 सहकारिता दिवस के अवसर पर 'सहकारिता के माध्यम से बेहतर पुनर्निर्माण' कार्यक्रम का आयोजन किया गया |

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान द्वारा विपणन सहकारी संघ तथा आवास सहकारी संघ द्वारा स्वीकृत 55 गोदामों का लोकार्पण तथा 114 गोदामों का शिलान्यास डिजिटलीकरण किया।

अन्य तथ्य

- मध्यप्रदेश में सर्वप्रथम सहकारी बैंक की स्थापना जबलपुर के सीहोरा में 1904 में की गई |
- प्राथमिक सहकारी समितियाँ खाद और बीजों के लिए किसानों के लिए अत्यंत सहायक है, कृषि विकास एवं सहायता हेतु नाबार्ड आर्थिक रूप से सहायता प्रदान करता है ।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

विभिन्न सहकारी ब्रांड और उनकी पहचान

- मध्यप्रदेश के सांची ब्रांड जों की अमूल संस्थान के अंतर्गत आता है ,अपनी विशेष पहचान रखता है |
- संतरों के लिए मालवा फ्रैश ब्रांड के साथ नीमच के लहसुन, बुरहानपुर के केले, अमरकंटक की गुल बकावली, डिण्डौरी की कोदो-कुटकी सहित प्रदेश की वनोपज में कई संभावनाएं है |
- वर्तमान में सहकारी संस्थाओ का ऑनलाइन पंजीयन 45 दिनों के भीतर होने लगा है |

वन्य-प्राणी संरक्षण के प्रति राष्ट्रीय स्तर पर 'बालसखा योजना'

- बाघ एवं वन्य-प्राणी संरक्षण के प्रति वन्य प्रेमी और आम नागरिकों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से 'बालसखा अभिनव योजना" मध्यप्रदेश सहित भारत के अलग-अलग राज्यों में लागू की जा रही है|
- बालसखा की यह प्रतियोगिता उज्जैन, दमोह, राजस्थान के बीकानेर और अजमेर शहर में आयोजित की गई , जिसमे प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया|
- बालसखा की यह प्रतियोगिता रीवा, शहडोल, सतना, छिन्दवाड़ा, इंदौर, रतलाम, भोपाल नगर में और बिहार, त्रिपुरा, कर्नाटक, तमिलनाडू, आंध्रप्रदेश, केरला, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तरप्रदेश आदि राज्यों में भी यह प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

108 फिट ऊँची होगी एकात्मता की प्रतिमा (स्टैच्यू ऑफ वननैस)

- ओंकारेश्वर में आचार्य शंकर की प्रतिमा (स्टैच्यू ऑफ़ वनवैस) का निर्माण किया जा रहा है |
- एकात्मता की प्रतिमा (स्टैच्यू ऑफ वननैस) की ऊँचाई 108 फिट होगी जिसे 54 फिट ऊँचे चबूतरे पर बने 27 फिट ऊँचे कमल पर स्थापित किया जायेगा।
- दो हज़ार की क्षमता के एम्फी थियेटर का निर्माण किया जायेगा , जिसमे लेजर लाइट और साउंड शो के माध्यम से आचार्य शंकर के जीवन और विचार पर आधारित शो का संचालन हिंदी और अंग्रेजी माध्यम में संचालित किया जायेगा |
- यह निर्माण कार्य मार्च 2023 तक पूर्ण करना निर्धारित किया गया है|

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

अन्य तथ्य

- आचार्य शंकर अद्वेतवाद के संस्थापक माने जाते है, आदि शंकराचार्य के नाम से भी जाने जाते है |
- आचार्य शंकर की प्रतिमा के निर्माण हेतु प्रत्येक घर से धातु एकत्रत की गई थी |
- ये प्रतिमा अष्टधातु से निर्मित होगी ,जो कि 108 फिट की होगी |
- नर्मदा नदी के दोनों ओर ओंकारेश्वर प्रकल्प विकसित किये जायेंगे, जिसमें एक ओर शंकराचार्य की प्रतिमा और संग्रहालय और दूसरी ओर गुरूकुलम और अंतर्राष्ट्रीय अदैव वेदांत संस्थान का निर्माण किया जायेगा |

फोर्टीफाईड चावल वितरण की पायलट योजना का संचालन

- एनीमिया एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के लिये भारत सरकार की लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत फोर्टीफाईड चावल वितरण की पायलट योजना का संचालन सिंगरौली जिले में किया जा रहा है।
- इसके अंतर्गत चावल को आयरन, फोलिक एसिड एवं विटामिन बी-12 से फोर्टिफिकेशन करके एनीमिया एवं कुपोषण जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का निदान करने का प्रयास किया जायेगा।
- यह योजना 2022-23 तक संचालित रहेगी। योजना अंतर्गत हितग्राहियों को दिए जाने वाले चावल में फोर्टिफाईड करनेल मिलाकर वितरित किया जाएगा।

अन्य तथ्य

- यह योजना 2019 में प्रारंभ की गई थी , जिसका उद्देश्य कुपोषण की समस्या को दूर करना है |
- आन्ध्रप्रदेश , महाराष्ट्र , गुजरात , तमिलनाडु और छत्तीसगढ़ इन पांच राज्यों में यह योजना पहले प्रारंभ की गई |

मध्यप्रदेश के नवनियुक्त राज्यपाल श्री मंगु छगन भाई पटेल

- मध्यप्रदेश के नए राज्यपाल श्री मंगु छगन भाई पटेल नियुक्त किये गए , श्री पटेल ने पूर्व राज्यपाल आनंदी बेन पटेल का स्थान लिया है |
- मंगू भाई पटेल मध्यप्रदेश के 19वें राज्यपाल है |
- गुजरात के नवसारी विधानसभा क्षेत्र से पांच बार विधायक रह चुके श्री पटेल गुजरात विधानसभा स्पीकर भी रह चुके है |
- मोदी कैबिनेट में वन एवं पर्यावरण मंत्री रह चुके है|
- जनजातीय समाज के उत्थान के लिए उन्होंने अनेक वर्ष कार्य किया।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

जेईसी विश्व-स्तरीय कॉलेज के रूप में

- मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज (जेईसी) के गौरवशाली 75वें वर्ष होने पर अमृत महोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया|
- आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश की ओर एक कदम "सृजन" के तहत स्थापित सेन्टर फॉर इन्क्यूबेशन डिजाईन एण्ड इनोवेशन और नवीन टीचिंग ब्लॉक का भी शुभारंभ किया।
- यहाँ आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्स एवं डेटा साईंस और मेकाट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की शाखाएँ प्रारंभ की जायेंगी।

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन संस्थान ने 6 उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थानों के साथ किया समझौता

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान (एआईजीजीपीए) ने विभिन्न विश्वविद्यालयों, एम्स, एनआईआरईएच (आईसीएमआर) और आईआईएसईआर के साथ 6 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।

- बहुपक्षीय समझौते का मुख्य लक्ष्य पब्लिक पॉलिसी, गवर्नेंस, एडमिनिस्ट्रेशन और अन्य संबंधित क्षेत्रों में आपसी सहयोग से ज्ञान-संवर्धन और बेहतर नीति बनाना है।
- इससे सुशासन संस्थान और एमओयू करने वाले संस्थान लाभान्वित होंगे।
- इन समझौतों के माध्यम से संस्थाओं के सहयोग से पब्लिक पॉलिसी, गवर्नेंस और एडमिनिस्ट्रेशन के संबंध में लेक्चर्स, सेमिनार्स, वर्कशॉप, पैनल डिस्कशन्स, वेबिनार और ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किये जायेंगे।
- टीचिंग, रिसर्च और अन्य क्षेत्रों में भी एक-दूसरे की विशेषज्ञता का लाभ मिलेगा।

प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना में मध्यप्रदेश पूरे देश में अग्रणी

- भारत सरकार द्वारा प्रधान मंत्री मातृ वंदना योजना गर्भावस्था के दौरान श्रम में लगी महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने और गर्भवती महिलाओं को मजदूरी के नुकसान की भरपाई के लिए नकद राशि प्रदान करने हेतु संचालित योजना है ।
- योजना के सफल क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश लगातार तीसरी बार देश का पहला राज्य बना।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- इस योजना के तहत पहले बच्चे के जन्म पर 5 हजार रुपये दिए जाते हैं।
- इस योजना में हिमाचल प्रदेश द्वितीय स्थान में रहा एवं आंध्रप्रदेश तृतीय स्थान मे रहा|

सम्बंधित अन्य तथ्य -

- यह योजना 1 जनवरी 2017 को प्रारंभ की गई , जो कि देश के प्रत्येक जिले में लागू है |
- गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के स्वास्थ्य में सुधार लाना योजना का उद्देश्य है। मातृ-मृत्यु दर में कमी लाने हेतु यह योजना प्रयत्नशील है।
- इस योजना के लाभार्थी को (5 हजार रूपये)आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है जो की तीन किश्तों के रूप में दी जाती है|
- एक हजार रूपये की पहली किश्त आंगनबाड़ी केंद्र पर गर्भावस्था का पंजीयन कराने पर दिए जाते है |
- दो हजार रूपये की दूसरी किश्त कम से कम एक प्रसव पूर्व जांच कराने और गर्भावस्था के 6 माह पूर्ण होने पर प्रदान की जाती है |
- दो हजार रूपये की तीसरी किश्त बच्चे के जन्म के पंजीकरण और बच्चे के प्रथम चक्र के टीकाकरण पूर्ण होने पर दी जाती है।

उज्जैन उद्योग एवं विज्ञान की नगरी के रूप में

- उद्योग और विज्ञान के क्षेत्र में उज्जैन का विकास किया जाएगा। उज्जैन धर्म, विज्ञान, पुरातत्व, विद्वानों से सम्बंधित नगर है।
- कालिदास अकादमी उज्जैन में आयोजित कार्यक्रम में डोंगला में स्थित नव-निर्मित वेधशाला के ऑडिटोरियम का ई-लोकार्पण किया गया।
- खगोल विज्ञान के क्षेत्र में डोंगला में स्थापित वेधशाला देश का मार्गदर्शन करेगी और इसका लाभ जनता को भी मिलेगा।
- उज्जैन जिले में उद्योगों की स्थापना का शुभारम्भ किया जा रहा है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

उज्जैन के डोंगला में वेधशाला ग्रीनविच का निर्माण

- उज्जैन स्थित डोंगला वेधशाला भविष्य की ग्रीनविच बनने वाली है।
- समय की गणना उज्जैन के डोंगला भी से की जाएगी।
- डोंगला में वेधशाला संबंधित सभी संसाधन उपलब्ध कराये गए हैं। अत्याधुनिक सभागार बनाया गया है।
- यह वेधशाला फिजिक्स एवं गणित का केन्द्र बिंदु बनेगी। साइंस सिटी के रूप में उज्जैन को विकसित किया जायेगा ।
- डोंगला वेधशाला से नक्षत्रों की थ्रीडी के माध्यम से गणना की जायेगी।
- थ्रीडी के माध्यम से वेधशाला में नक्षत्रों की गणना की जायेगी।

मध्यप्रदेश को मिलेगी सबसे सस्ती सौर ऊर्जा

- नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग द्वारा आगर के 550 मेगावॉट सोलर पावर प्लांट की दो यूनिट के लिये 2.73 रुपये प्रति यूनिट के बेस टैरिफ से प्रारंभ हुई।
- मध्यप्रदेश के लिए यह सबसे सस्ती सौर ऊर्जा होगी।
- विश्व की बड़ी सौर परियोजनाओं में से एक रीवा सौर परियोजना को तत्कालीन न्यूनतम सोलर टैरिफ 2.97 रुपये प्राप्त हुआ था।
- आगर में निजी क्षेत्र से लगभग 1950 करोड़ रुपये की लागत से एक हजार हेक्टेयर भूमि पर 550 मेगावॉट की 2 यूनिट स्थापित की जायेंगी।
- इस परियोजना के अंतर्गत बिजली उत्पादन का लक्ष्य मार्च 2023 में निर्धारित किया गया है।

मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग को ट्रिप एडवाइजर अवार्ड प्राप्त

- मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम की 12 इकाइयों को ट्रिप एडवाइजर्स एनुअल ट्रैवलर्स अवार्ड और ग्वालियर स्थित तानसेन रेसिडेंसी को ट्रिप एडवाइजर्स ट्रैवलर चॉइस केटेगरी का 'बेस्ट ऑफ द बेस्ट' अवार्ड 2021 प्राप्त हुआ ।
- यह अवार्ड विश्व विख्यात पर्यटक मार्गदर्शी संस्था 'ट्रिप ऐडवाइजर', यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका द्वारा प्रदान किया गया |
- राज्य पर्यटन विकास निगम की 12 इकाइयां जिन्हें ट्रिप एडवाइजर्स एनुअल ट्रैवलर्स अवार्ड मिला है, उनमें पलाश रेजीडेंसी भोपाल, बघीरा जंगल रिजॉर्ट मोचा, बेतवा रिट्रीट

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

ओरछा, बाइसन रिजॉर्ट मधाई, हॉलिडे होम्स, अमरकंटक, जंगल कैंप, पन्ना, किपलिंग्स कोर्ट पैंच, संगमरमर की चट्टानें भेड़ाघाट। , सफारी लॉज, मुक्की, शीशमहल ओरछा, व्हाइट टाइगर फॉरेस्ट लॉज बांधवगढ़ शामिल है ।

- मध्यप्रदेश में पर्यटन के विकास से प्रदेश की संस्कृति और धरोहर को संरक्षित रखने के साथ रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे।

'इनक्रेडिबल इंडिया-योर फेवरेट टूरिस्ट डेस्टिनेशन-मध्यप्रदेश' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन

- भारतीय दूतावास लेबनान में जुलाई माह में आयोजित वेबिनार में मध्यप्रदेश ने सहभागिता की |
- मध्य प्रदेश पर्यटन को वैश्विक रूप पहचान दिलाने और लेबनान के पर्यटकों को मध्य प्रदेश की ओर आकर्षित करने के उद्देश्य से बेरूत में भारतीय दूतावास द्वारा 'अतुल्य भारत - आपका पसंदीदा पर्यटक गंतव्य - मध्य प्रदेश' पर एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया।
- लेबनान नागरिक पर्यटन, शिक्षण और अन्य गतिविधियों के लिए बड़ी संख्या में भारत आते है।
- मध्यप्रदेश में विकसित विलेज टूरिज्म मध्यप्रदेश में कल्चर, हेरिटेज, नेचुरल डायवर्सिटी, वाइल्डलाइफ के साथ लक्जिरियस और वेलनेस टूरिज्म का अनूठा संगम है जो आकर्षण का केंद् है|

जन -जन तक जल पहुंचाने वाली महत्वाकांक्षी योजना -जल जीवन मिशन

- जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के 1 करोड़ 23 लाख परिवारों को नल के माध्यम से जल प्रदाय करना है।
- मिशन के अंतर्गत पाइप लाइन बिछाने से पहले पानी का स्त्रोत सुनिश्चित करना एवं हर घर तक नल से जल पहुँचाना इस योजना में सम्मलित है |
- नल कनेक्शन के लिए 500 रूपए सामान्य परिवारों से तथा 100 रूपए बी.पी.एल. परिवार से राशि ली जानी है। वहीं जल प्रदाय का मासिक शुल्क 60 रूपए प्रतिमाह निर्धारित किया गया है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

अन्य तथ्य -

- जल जीवन मिशन जन-जन तक जल पहुँचाने वाली महत्वाकांक्षी योजना है।
- यह योजना 15 अगस्त 2019 को प्रारंभ की गई , इस योजना का उद्देश्य सभी राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की सुविधा उपलब्ध कराना है |

जलाशयों की जल भण्डारण क्षमता की विकसित करने में मध्यप्रदेश देश में प्रथम

- जलाशय से गाद निकलने हेतु टेंडर होगा ,ऐसा करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य होगा,प्रथम चरण में चार जलाशय से गाद निकाली जाएगी ।
- इससे 5 लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षमता का विकास हो सकेगा। जिससे भूमि की उत्पादकता बढ़ेगी।
- बाँधों का जीवन काल बढ़ेगा। रेत का उपयोग हो सकेगा। स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा

बुरहानपुर में टेक्सटाइल परियोजना स्थापित करने की योजना

- बुरहानपुर टेक्सटाइल परियिजना के सन्दर्भ में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और बुरहानपुर स्थित कपड़ा निर्माता कम्पनी मेसर्स बुरहानपुर टेक्सटाइल प्रायवेट लिमिटेड कंपनी के प्रतिनिधियों के मध्य वार्ता हुई|
- बुरहानपुर मध्यप्रदेश में लगभग 300 करोड़ रूपए के निवेश से टेक्सटाइल परियोजना स्थापित करने का निवेश प्रस्ताव मुख्यमंत्री श्री चौहान को सौंपा।
- मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में स्थित मेसर्स बुरहानपुर टेक्सटाइल लिमिटेड की स्थापना वर्ष 1956 में हुई थी। कम्पनी की बुरहानपुर में 9 इकाइयाँ कार्यरत हैं।
- 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

'होरोसिस इंडिया मीटिंग 2021' के प्रधान-सत्र

- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'होरोसिस इंडिया मीटिंग 2021' के प्रधान सत्र का किया गया |
- यह सत्र 'मध्यप्रदेश-भारत का उभरता हुआ आर्थिक शेर (Madhya Pradesh - India's Emerging Economic Tiger)' विषय पर आयोजित किया गया था।

अन्य तथ्य -

- होरोसिस प्रबुद्धजनों का एक स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय मंच है, जिसका मुख्यालय ज्यूरिक, स्विट्जरलेंड में है।
- इसकी स्थापना वर्ष 2005 में वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम के पूर्व निदेशक श्री फ्रेंक जुरगन रिचर ने की।
- आर्थिक विकास इसका प्रमुख विषय है।
- प्रत्येक वर्ष 'होरासिस ग्लोबल मीटिंग, होरासिस चाइना मीटिंग, होरासिस इंडिया मीटिंग और होरोसिस एशिया मीटिंग' का आयोजन किया जाता है , जिसमें बड़ी संख्या में अर्थशास्त्री, उद्योग प्रतिनिधि, व्यापार-व्यवसाय से जुड़े लोग, वैज्ञानिक, सरकारी अधिकारी और बुद्धिजीवी भाग लेते हैं।

प्रोफेसर खेमसिंह डहेरिया हिन्दी विश्वविद्यालय भोपाल के नये कुलपति

- अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय भोपाल के कुलपति पद पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक में हिन्दी विभाग में प्रोफेसर खेमसिंह डहेरिया को नियुक्त किया गया है।
- हिन्दी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2011 की धारा- 29 की उपधारा एक के तहत कुलपति की नियुक्ति की है।
- कुलपति के रुप में प्रोफेसर खेमसिंह डहेरिया का कार्यकाल चार वर्ष की कालावधि या 70 वर्ष की आयु, जो भी पूर्वतर हो, के लिए रहेगा।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

टोक्यो ओलंपिक में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व

म.प्र. राज्य शूटिंग अकादमी के खिलाड़ी ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और म.प्र. राज्य हॉकी अकादमी के विवेक सागर को टोक्यो ओलम्पिक में मध्य प्रदेश की ओर से प्रदर्शन कर रहे है|

- इसी सप्ताह विवेक सागर ने अर्जेंटीना के विरुद्ध हॉकी ओलंपिक मैच में गोल भी किया था, जिसके फलस्वरूप भारत की टीम विजयी रही।
- टोक्यो ओलंपिक 2021 खेलों में देश के लिए पहला पदक मीराबाई चानू ने जीता है |
- सुश्री चानू ने टोक्यो ओलंपिक में वेट लिफ्टिंग के महिलाओं के 49 किलोग्राम वर्ग में द्वितीय स्थान अर्जित कर रजत पदक हासिल किया है।

19वीं राष्ट्रीय फेडरेशन कप जूनियर एथेलेटिक्स

- पंजाब के संगरूर में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय फेडरेशन कप जूनियर एथेलेटिक्स चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश राज्य की एथेलेटिक्स मंजू यादव ने रजत पदक जीता।
- मंजू ने 11 मिनट 53.80 सेकंड का समय लेकर दौड़ पूरी की और रजत पदक जीता।

इक्केस्ट्रयन प्रीमियर लीग में मध्य प्रदेश ने स्वर्ण पदक जीता

मध्य प्रदेश राज्य घुड़सवारी अकादमी के प्रणय खरे ने बैंगलुरू स्थित एंबेसी इंटरनेशनल राइडिंग स्कूल द्वारा आयोजित दो दिवसीय इक्वेस्ट्रीयन प्रीमियर लीग में भाग लेकर तीन अलग-अलग इवेन्ट में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now